संस्कृति विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार

रामोत्सव

2024

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

कार्य योजना

अयोध्या में श्रीराम मन्दिर उद्घाटन के उपलक्ष्य में
निम्न स्थलों पर कार्यक्रम प्रस्तावित किये जाने प्रस्तावित हैं।

पुरुषोत्तम मंच	-	राम की पैड़ी
सरयू मंच	-	भजन संध्या स्थल
भरत मंच	-	सांस्कृतिक संकुल प्रेक्षागृह
कागभुशुण्डि मंच	-	राम कथा पार्क
तुलसी मंच	-	तुलसी उद्यान

शहर के प्रमुख 25 पौराणिक स्थलों/चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

संतो महापुरुषों द्वारा रामकथा पर प्रवचन

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रामलीलाओं का मंचन

शास्त्रीय/उप शास्त्रीय/लोक गायन, वादन एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ

रामायण परम्परा पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ

प्रमुख कार्यक्रम

रंगोली/ चित्रकला, क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन

'लोक में राम' पर आधारित नुक्कड़ नाटक/सांस्कृतिक कार्यक्रम

रामायण परम्परा पर आधारित 'रामायण चित्र वीथिका'

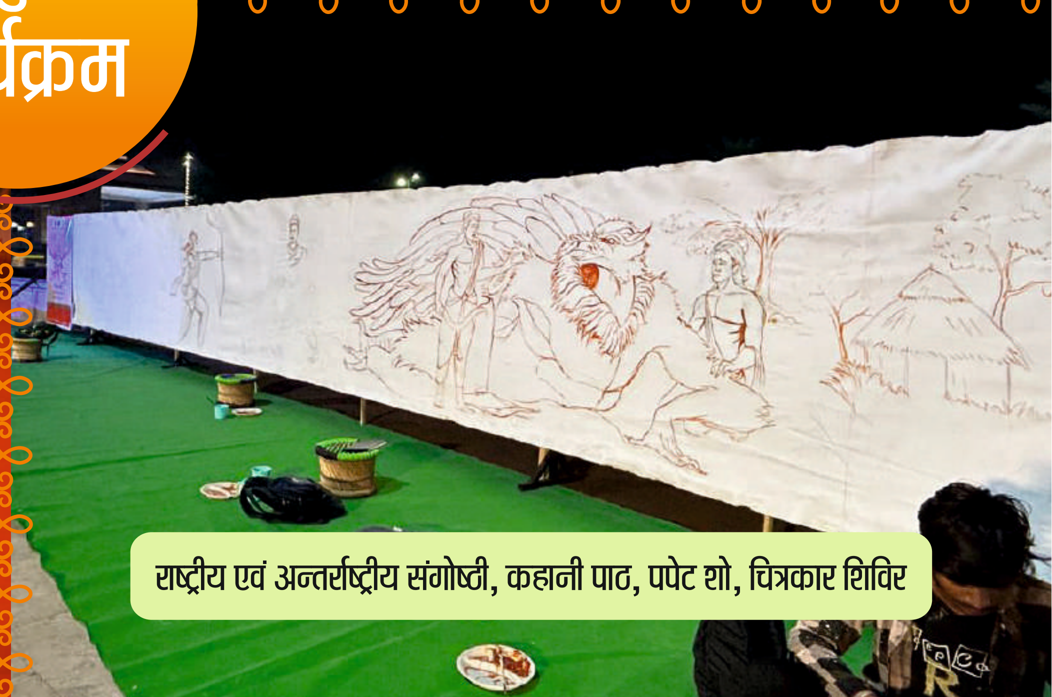

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कहानी पाठ, पपेट शो, चित्रकार शिविर

- अयोध्या में प्रतिदिन लगभग 500 कलाकारों की प्रस्तुतियाँ सुनिश्चित की जानी प्रस्तावित हैं।
- सम्पूर्ण आयोजन में देश एवं विदेश के लगभग 35,000 कलाकारों का सांस्कृतिक संगम।
- देश विदेश के प्रतिष्ठित कलाकारों का प्रबुद्ध सम्मेलन।
- सरयू जी में नावों पर 'सांस्कृतिक कला नौका यात्रा' का आयोजन।
- कलाकारों एवं श्रद्धालुओं के आवास के लिये अयोध्या में 'कला ग्राम' की स्थापना।

विश्व रिकॉर्ड

सामूहिक शंख वादन

सौष्ठव कलाओ का प्रदर्शन

सामूहिक सरयू आरती

दिनांक 14 से 22 जनवरी 2024, उत्तरायण/मकर संक्रान्ति से प्रदेश के आध्यात्मिक स्थलों व मंदिरों में भजन/कीर्तन आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन

मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन/दीप दान के साथ-साथ रामकथा प्रवचन, अनवरत रामायण/रामचरित मानस का पाठ/सुन्दरकाण्ड आदि के कार्यक्रमों भी आयोजन

नगर निकायों में नगर संकीर्तनों का आयोजन किया जाये, जिसमें स्थानीय भजन/कीर्तन मण्डलियों को सम्मिलित करते हुए नगरों में राम मंदिर रथ एवं कलश यात्राओं का आयोजन

अयोध्या में के मंदिरों 14 जनवरीसे 24 मार्च 2024 भजन/कीर्तन , अनवरत रामायण/रामचरित मानस का पाठ/सुन्दरकाण्ड आदि के कार्यक्रम भी आयोजन

- दिगम्बर अखाड़ा, अयोध्या
- वाल्मीकि मंदिर, नया पुरवा, अयोध्या
- वेद मंदिर, अयोध्या
- मौनी बाबा मंदिर, अयोध्या
- जानकी महल, अयोध्या
- रामजानकी मंदिर, भरत कुण्ड, अयोध्या
- जालपा माँ मंदिर, अयोध्या
- गुप्तार घाट, अयोध्या
- रामानन्द आश्रम, निकट छोटी छावनी, अयोध्या
- वाल्मीकि भवन, अयोध्या
- सूर्य कुण्ड, अयोध्या

रामकथा/रामायण परम्परा आधारित प्रवचन

रामायण श्रीराम जी के जीवन पर आधारित एक अद्भुत अमर कहानी है, जो हमें विचारधाना, भक्ति, कर्तव्य, रिश्ते, धर्म और कर्म के सही मायने सिखाती है। देश एवं विदेश में कई कथा वाचकों द्वारा रामकथा के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से जनमानस के मध्य श्रीराम के आदर्शों को स्थापित किया जा रहा है। ऐसे कथा वाचकों द्वारा राम की नगरी अयोध्या जी में प्रवचन एवं रामकथा का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जैसेः-

- **श्री अवधेशानन्द जी महाराज**
- **श्री बापू चिन्मयानन्द जी**
- **श्री रामभद्रा चार्य जी**
- **श्री देवकी नन्दन जी**
- **श्री अनुद्धाचार्य जी महाराज**
- **श्री राजेश्वरानंद जी महाराज**
- **सुश्री साध्वी ऋतंभरा जी**
- **श्री कृष्ण चन्द्र शास्त्री**
- **देवी चित्रलेखा जी एवं अन्य**

रामलीलाओं का मंचन

- भगवान श्रीराम के परम्परागत रूपों पर आधारित देश के विभिन्न प्रान्तों में होने वाली रामलीलाओं की प्रस्तुति कराया जाना प्रस्तावित है।
- इस अवधि में विभिन्न देशों में रामायण महाकाव्य पर आधारित रामलीलायें आयोजित की जाने वाली रामलीला मण्डलियों को भी आमंत्रित किया जाये। **जैसः- नेपाल, कम्बोडिया, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया आदि**
- उक्त कार्यक्रम के अतिरिक्त महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, हिमांचल प्रदेश उत्तराखण्ड, हरियाणा, कर्नाटक, सिक्किम, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मूकश्मीर, लद्दाख एवं चंडीगढ़ आदि प्रदेशों की रामलीलाओं को भी अयोध्या में आमंत्रित किया जाना प्रस्तावित है।

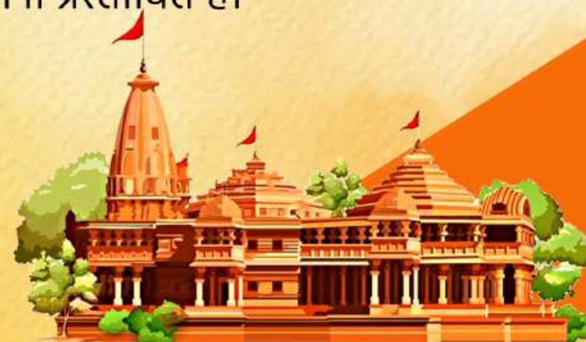

भजन/रामगीतों पर आधारित

इस अवसर पर अयोध्या जी में भवन से संध्या मंच पर देश के प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा प्रभु श्रीराम जी पर आधारित भजनों का गायन किया जाना प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम दीपोत्सव के बाद से प्रारम्भ होकर राम मंदिर के उद्घाटन तक निरन्तर चलते रहेंगे। इस अवसर पर स्थानीय भजन गायकों के साथ-साथ प्रसिद्ध भजन गायकों भी आमंत्रित किया जायेगा। जैसेः -

- श्री अनूप जलोटा, मुम्बई,
- सुश्री अनुराधा पौडवाल, मुम्बई / सुश्री कविता पौडवाल, मुम्बई
- श्री हरिहरन, मुम्बई,
- श्री शंकर महादेवन, मुम्बई
- श्री कैलाश खेर, मुम्बई,
- साधौ बैण्ड, नई दिल्ली
- श्री प्रेम प्रकाश दुबे, मुम्बई
- श्री रिज़वी केज, बैंगलोर
- श्री सोनू निगम, मुंबई
- सुश्री बतूल बेगम
- श्री नितिन दूबे
- सुश्री ऋचा शर्मा
- श्री ए आर रहमान
- श्री शंकर महादेवन
- सुश्री तृप्ति शाक्या, प्रयागराज
- श्री शर्मा बंधु उज्जैन

रामचरण पादुका यात्रा/सांस्कृतिक झांकियां

यह यात्रा राम वनगमन पथ से गुजरती हुई सम्पूर्ण देश में निकाली जायेगी। यात्रा के दौरान राम वनगमन पथ के विभिन्न पड़ावों जैसे श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट आदि में भजन/कीर्तन/रामायण पाठ के कार्यक्रम आयोजित किये जाने प्रस्तावित हैं।

मूर्तिकला

मूर्तिकला एक अति प्राचीन कला है, जो कि हमें अपने इतिहास से जोड़ती है। ऐसे कलाओं का संरक्षण एवं संर्वधन निरन्तर किया जा रहा है। इतिहास के काल खण्डों में इसके समृद्ध साक्ष्य मिलते हैं। भारतीय मूर्तिकला पूरे विश्व में उच्चतम स्थान पर है। प्रभु श्रीराम से जुड़ी हुई मूर्ति/शिल्प कला की कार्यशाला का आयोजन अयोध्या में किया जाना प्रस्तावित हैं, जिसमें देश एवं विदेश के विभिन्न कलाकार आमंत्रित किये जायेंगे। रामायण परम्परा से जुड़ी हुई मूर्तियों का निर्माण कर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

चित्रकला

किसी भी क्षेत्र या स्थान की जातियों एवं जनजातियों द्वारा विभिन्न रूपों में पारम्परिक कलाओं को संरक्षित किया गया है। इन कलाओं में प्रभु श्रीराम के विविध आयामों का चित्रांकन किया जाता है। इन चित्रकलाओं में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श रूपों एवं रामायण से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का चित्रांकन किया जाता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी द्वारा ख्याति प्राप्त चित्रकारों द्वारा चित्रकला शिविर का आयोजन करते हुए श्रीराम से जुड़े हुए विभिन्न प्रसंगों को 108 चित्रों का चित्रांकन किया जाना है।

दीपोत्सव : 22 जनवरी 2024

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेश के संपूर्ण घरों में दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव का आयोजन

शंखवादन का रिकार्ड

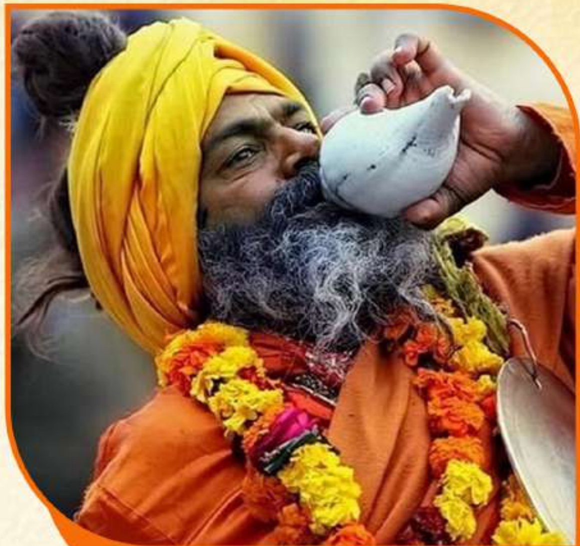

- प्राचीन मान्यताओं के अनुसार किसी भी शुभ कार्य के आरम्भ से पूर्व शंख बजाने से ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है तथा इसकी ध्वनि से सभी बाधाओं एवं दोषों को दूर करते हुए सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या जी में 1111 शंखों का वादन करते हुए रिकार्ड बनाया जाना प्रस्तावित है। इस कार्य में एन.सी.जेड.सी.सी. एवं आई.जी.एन.सी.ए. की मदद ली जायेगी।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

रामायण से जुड़े हुए विभिन्न प्रसंगों पर आधारित चित्रकला/लेखन/वेशभूषा/रामायण गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रदेश के समस्त बेसिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में आयोजित कराया जाना प्रस्तावित है। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों में प्रभु श्रीराम और उनके आदर्शों के प्रति सजगता उत्पन्न होगी।

शिक्षा विभाग के माध्यम से यह प्रतियोगितायें आयोजित की जानी प्रस्तावित है। रामायण पर आधारित प्रसोहरी प्रतियोगिता शोसल मीडिया प्लाटफॉर्म पर भी की जा सकती है।

कला कृतियों की स्थापना

अयोध्या के विभिन्न घाटों एवं स्थलों पर रामायण से जुड़ी हुई कला कृतियों की स्थापना की जानी है एवं इन कलाकृतियों की आधुनिक रूप से साज-सज्जा किया जाना प्रस्तावित है। कलाकृतियों के निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है।

सहयोगी संस्थाएं

- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
- संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली
- ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
- भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद, नई दिल्ली
- इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली
- श्रीराम भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली
- संस्कार भारती, नई दिल्ली
- प्रसार भारती, नई दिल्ली